अनुक्रमणिका

क्रम	प्रकरण का नाम		पृष्ठ
प्रकरण–1	**विषय प्रवेश**		
1.1	संगीत का उद्‌भव एवं विकास		01
1.2	संगीत के विभिन्न प्रकार		12
	1.2.1	शास्त्रीय संगीत	12
	1.2.2	सैद्धांतिक शास्त्रीय संगीत	13
	1.2.3	व्यवहारिक शास्त्रीय संगीत	13
	1.2.4	भाव संगीत	13
1.3	नाद		14
	1.3.1	नाद स्थान	29
	1.3.2	नादब्रह्म और सात स्वरों का आविर्भाव	30
1.4	ध्वनि		34
1.5	शास्त्रीय संगीत की गायन शैलियाँ		36
	1.5.1	प्रबन्ध के धातु	38
	1.5.2	प्रबन्ध के अंग	39
	1.5.3	प्रबन्ध के प्रकार	40
	1.5.4	ध्रुपद गायन की रचना एवं शैलियाँ	41
	1.5.5	ख्याल गायन शैली का उद्‌भव, विकास एवं विवरण	42
	1.5.6	ख्याल अंग में प्रयुक्त ताल	49
	1.5.7	तराना	50
	1.5.8	चतुरंग	51

क्रम		प्रकरण का नाम	पृष्ठ
	1.5.9	लक्षण गीत	51
	1.5.10	ठुमरी	52
प्रकरण–2	**उत्तर हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत पद्धति**		
2.1	श्रुति		55
	2.1.1	श्रुति की परिभाषाएँ	56
	2.1.2	श्रुति – स्थूल रूप	59
	2.1.3	श्रुति में साम्य	61
	2.1.4	श्रुति संख्या	62
	2.1.5	श्रुति में असाम्य	64
	2.1.6	श्रुति जाति	65
	2.1.7	श्रुति का वैज्ञानिक विश्लेषण	69
	2.1.8	प्राचीन ग्रंथकारों की समान श्रुतियाँ	72
2.2	स्वर		74
	2.2.1	स्वर का प्राकृतिक उद्‌भव	74
	2.2.2	स्वर और उसके पर्याय	77
	2.2.3	स्वर की परिभाषा तथा उनका संक्षिप्त विश्लेषण	79
	2.2.4	स्वर सम्बन्धी अन्य दृष्टिकोण	83
2.3	स्वरों की उत्पत्ति, उद्‌भव स्थान के संदर्भ में मान्यताएँ		87
	2.3.1	सामवेद के स्वर और उनके नाम	92
	2.3.2	स्वर के तीन स्थान	94

क्रम		प्रकरण का नाम	पृष्ठ
	2.3.3	स्वरों का प्रियत्व और जगत् का सामोपजीवित्व स्वर और जीवों का सम्बन्ध	94
	2.3.4	स्वरों की तारता का निर्धारण	95
	2.3.5	भिन्न–भिन्न स्वरों का उत्पत्ति–स्थान और उनका नामकरण	97
	2.3.6	स्वरों के मुख, भुजा	100
	2.3.7	स्वर शारीरिक स्थान	103
	2.3.8	स्वर लक्षण	104
2.4	स्वरों की प्रकृति, स्वभाव एवम् रंग		105
2.5	स्वरों में निहित सौन्दर्य		111
	2.5.1	स्वरों की उपयोगिता	112
	2.5.2	वर्ष और दिवस की ऋतुओं का मेल	117
	2.5.3	षड़ज स्वर में निहित सूर्यशक्ति	122
	2.5.4	स्वर अलंकार	128
	2.5.5	वादी स्वरों का राग के समय के साथ सम्बन्ध	129
	2.5.6	पूवाँग और उत्तरांग का क्षेत्र विस्तार	129
	2.5.7	स्वर लगाव	130
	2.5.8	स्वर या आवाज़ का लगाव	131
	2.5.9	स्वर लेखन पद्धति	131
2.6	सप्तक		132
	2.6.1	संगीत में सप्तक का विकास	133

क्रम	प्रकरण का नाम		पृष्ठ
प्रकरण–3	**थाट और उनके जन्य राग**		141
3.1	भारत में संगीत की पद्धति		142
	3.1.1	शिवमत	142
	3.1.2	हनुमानमत	144
	3.1.3	रार्गाणव ग्रन्थमत	144
	3.1.4	कल्लीनाथ ग्रन्थमत	145
	3.1.5	भरतमत	146
	3.1.6	मुहमद रजा मत	146
3.2	थाट		152
	3.2.1	ठाठों में समावित रागों की सूचि	154
3.3	थाट वर्गीकरण		157
	3.3.1	थाट–रचना–विधि	157
3.4	पंडित व्यंकटमुखी के ७२ थाट		159
	3.4.1	७२ थाट के नाम	161
	3.4.2	कर्नाटक पद्धति के ७२ मेल	162
3.5	३२ थाट		165
3.6	पंडित विष्णु नारायण भातखंडेजी के १० थाट वर्गीकरण		168
3.7	थाट के नियम		173
3.8	मेल वर्गीकरण		174
3.9	एक थाट से 484 रागों की उत्पत्ति		178

क्रम		प्रकरण का नाम	पृष्ठ
3.10	राग और राग उत्पत्ति		187
	3.10.1	राग	187
	3.10.2	हिन्दुस्तानी संगीत में 'राग' की उत्पत्ति और विकास	188
	3.10.3	संगीतोत्पति का कारण	190
	3.10.4	राग की शास्त्रोक्त व्याख्या	192
	3.10.5	राग की प्रकृति	194
	3.10.6	राग का गायन समय	196
	3.10.7	राग भेद	197
	3.10.8	रागों का समय विभाजन	198
	3.10.9	स्वर और समय की दृष्टि से रागों के तीन वर्ग	199
	3.10.10	अध्वदर्शक स्वर मध्यम का महत्व	204
	3.10.11	रागों का समयचक्र	206
	3.10.12	राग विस्तार	206
	3.10.13	राग चयन	207
	3.10.14	दस वीध राग लक्षण	207
	3.10.15	राग के नियम	213
प्रकरण–4	**मारवा थाट तथा उसके जन्य रागों का अध्ययन**		214
4.1	मारवा थाट		214
4.2	मारवा थाट तथा राग की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि		221
4.3	मारवा तथा उसके समप्रकृतिक राग		227
4.4	मारवा थाट के रागों का वर्णन		235

क्रम		प्रकरण का नाम	पृष्ठ
4.4.1	मारवा थाट के प्रचलित रागों का अध्ययन एवं बंदिशें		235
	4.4.1.1	राग : मारवा	235
	4.4.1.2	राग : जैत	240
	4.4.1.3	राग : पूरिया	249
	4.4.1.4	राग : पूरिया कल्याण	256
	4.4.1.5	राग : भटियार	262
	4.4.1.6	राग : ललित	271
	4.4.1.7	राग : विभास	282
	4.4.1.8	राग : सोहनी	289
4.4.2	मारवा थाट के अप्रचलित रागों का अध्ययन एवं बंदिशें		296
	4.4.2.1	राग : पंचम	296
	4.4.2.2	राग : पंचम मारवा	302
	4.4.2.3	राग : भंखार	306
	4.4.2.4	राग : मार्ग हिंडोल	311
	4.4.2.5	राग : मालीन	312
	4.4.2.6	राग : मालीगौरा	315
	4.4.2.7	राग : रत्नदीप	324
	4.4.2.8	राग : ललित पंचम	326
	4.4.2.9	राग : वराटी	332
	4.4.2.10	राग : साजगिरी	340
	4.4.2.11	राग : मृगनयनी	344
	4.4.2.12	राग : धन्यधैवत	347

क्रम	प्रकरण का नाम	पृष्ठ
प्रकरण –5	**उपसंहार**	351
❖	**संदर्भग्रंथ सूचि**	356
शोध–लेख–1	ISSN-2319-9318 Vidyawarta pg. 165-167	
	भारतीय संगीत में थाट की संकल्पना	
शोध–लेख–2	ISSN-2394-5303 Printing Area pg. 154-157	
	मारवा थाट एवं राग : एक पारंपारिक अध्ययन	